प्रतिक्रियाएं / Feedback

विज्ञान प्रकाश पत्रिका ने हिन्दी में शोध पत्रों को प्रकाशित किया। इससे हिन्दी भाषा में भी शोध का महत्व स्थापित हुआ। हम उनके इस योगदान को सराहते हैं।

-Manan Pathak,
GTU Ahemdabad, mananypathak@gmail.com

विज्ञान प्रकाश पत्रिका के संपादकों को मेरा दिल से धन्यवाद। उनकी इस बेहतरीन पहल के माध्यम से हिन्दी में शोध पत्रों के प्रकाशन को संभव बनाने के लिए। यह कदम हमारे वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है और हमारे राष्ट्रीय भाषा को समृद्ध करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।

-Ram Pravesh Prasad,
Hansraj College, Delhi University, ram.mbhudu@gmail.com

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा हिंदी में शोध लेखों का प्रकाशन करने के लिए हम आपके इस कदम की सराहना करते हैं। यह एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय पहल है जो हमारे वैज्ञानिक समुदाय के साथ हमारी भाषा को सम्मान दिलाता है। हिंदी में शोध लेखों का प्रकाशन करने से हमारी भाषा की गति को बढ़ावा मिलता है और विभिन्न स्तरों पर वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा मिलता है। इसके माध्यम से, अनेक वैज्ञानिकों को अपने अनुसंधान को साझा करने का अवसर मिलता है और हमारी वैज्ञानिक समुदाय की सांविधानिकता को बढ़ावा मिलता है। आपके इस कार्य के लिए हम आपकी सराहना करते हैं और आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

-Manjusha B. Shirdhonkar,
ASSC Surat, manjusha_shirdhonkar@sassc.in

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा हिंदी में शोध लेखों का प्रकाशन करने की पहल निरंतर हमारे समाज की वैज्ञानिक सोच को स्थापित करती रहेगी। यह कदम न केवल हमारी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व का अभिनादन है, बल्कि यह भी दिखाता है कि विज्ञान और तकनीक की दुनिया में हम अपनी भाषा को महत्वपूर्ण मानते हैं। इस प्रकार का कार्य हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान करता है और वैज्ञानिक साहित्य को हिंदी में उपलब्ध कराने से हमारी सामाजिक और वैज्ञानिक विकास में निरंतर योगदान होगा।

-Shailesh Kumar Srivastava,
SVNIT Surat, shaileshiitr2010@gmail.com

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा हिंदी में शोध पत्रों को प्रकाशित करने की पहल सराहनीय है। इस कदम से विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी भाषा को भी महत्व मिल रहा है। यह साबित करता है कि विज्ञान का अध्ययन और संशोधन केवल अंग्रेजी में ही नहीं, बल्कि हिंदी भाषा में भी हो सकता है। इस प्रक्रिया से हिंदी भाषा का विकास होगा और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में मदद मिलेगी। इस समर्थन योग्य पहल के लिए पत्रिका की संपूर्ण टीम को बधाई और धन्यवाद।

-Jeetendra Bhawsar,
Atal Bihari Vajpayee Hindi Vishvidhyalaya, Bhopal (M.P.) jitendra.bhawsar@gmail.com